

# गुदड़साई

## लघु उत्तरीय प्रश्न

### Solution 1:

प्रस्तुत प्रश्न लेखक जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित 'गुदड़ साई' पाठ से लिया गया है जिसके लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। यहाँ पर साई के प्रति बालक के मन में उपजे प्रेम और दयाभाव को दर्शाया है।

आठ वर्ष का बालक साई को पुकारकर अपने घर ले जाता। साई भी बालक के इस आग्रह को ठुकरा न पाता और बालक के घर चला जाता वहाँ जाकर साई अपने गुदड़ डालकर बैठ जाता और बालक से बातें करने लगता बालक भी उसे गरीब और भिखमंगा समझकर माँ से अभिमान करके पिता की नज़र बचाकर कुछ साग-रोटी लाकर देता।

इस प्रकार एक आठ वर्षीय बालक बड़े प्रेम से साई को भोजन खिलाता है।

### Solution 2:

प्रस्तुत प्रश्न लेखक जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित 'गुदड़ साई' पाठ से लिया गया है जिसके लेखक जयशंकर प्रसाद हैं।

गुदड़ साई बालक मोहन के आग्रह पर गुदड़ डालकर उसके घर में बैठ जाता और बालक मोहन उसे बड़े प्यार से साग-रोटी लाकर देता था। तब साई के मुख पर पवित्र मैत्री के भावों का साम्राज्य हो जाता। गुदड़ साई उस समय 10 बरस के बालक के समान अभिमान, सरहाना और उलाहना के आदान-प्रदान के बाद उस खाने को बड़े चाव से खा लेता था। मोहन की दी हुई रोटी उसकी तृप्ति का कारण बनती।

इस प्रकार बालक मोहन से मिली रोटी को साई बड़े प्रेम से खाता था।

### Solution 3:

प्रस्तुत प्रश्न लेखक जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित 'गुदड़ साई' पाठ से लिया गया है जिसके लेखक जयशंकर प्रसाद हैं।

मोहन के पिता पढ़े-लिखे और आधुनिक विचार धाराओं को मानने के कारण साधु-संतों को ढोंगी और पाखंडी समझते थे। एक बार उन्होंने अपने बेटे को मोहन को गुदड़ साई को खाना खिलाते देख लिया। जिससे उन्हें बहुत क्रोध आया। उन्होंने मोहन को डाँटते हुए गुदड़ से मेलजोल न बढ़ाने की चेतावनी दी। इस प्रकार मोहन के पिता साधु फकीरों को ढोंगी समझने के कारण अपने बेटे को साई से दूर रहने की चेतावनी दी।

### Solution 4:

प्रस्तुत प्रश्न लेखक जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित 'गुदड़ साई' पाठ से लिया गया है जिसके लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। यहाँ पर लेखक द्वारा यह बताया गया है कि साई भावनाओं की कद्र करने वाला फ़कीर था।

एक बार जब मोहन के पिता ने साई के सामने मोहन को डाँटा तो साई को यह बात अपमानजनक लगी परंतु साई ने उस दिन तो उस बात पर कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की। पर उसके कारण बालक मोहन को कष्ट न उठाना पड़े साई ने मोहन के मकान की ओर जाना छोड़ दिया। इस प्रकार मोहन के पिता के अपमानजनक व्यवहार के कारण और मोहन को कष्ट से बचाने के उद्देश्य से साई ने मोहन के मकान की ओर जाना छोड़ दिया।

#### **Solution 5:**

प्रस्तुत प्रश्न लेखक जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित 'गुदड़ साई' पाठ से लिया गया है जिसके लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। यहाँ पर साई को अलग किस्म के बैरागी के रूप में बताया गया है। साई बच्चों के मनोविनोद के लिए हमेशा अपने पास गुदड़ रखता था। एक दिन एक बच्चे को एक शरारत सूझी। वह साई का गुदड़ लेकर भागा। अपना गुदड़ उस बच्चे से वापस लेने के लिए साई भी उस बच्चे के पीछे भागने लगे परंतु भागते-भागते ठोकर लगने पर साई गिर पड़े। इस प्रकार साई गुदड़ वापस पाने की कोशिश में गिर पड़े।

#### **हेतुलक्ष्यी प्रश्न**

#### **Solution 1:**

1. साई बैरागी था, माया नहीं, मोह नहीं।
2. मोहन की दी गई एक रोटी उसकी अक्षय तृप्ति का करण होती।
3. ढोंगी फकीरों पर उनकी साधारण और स्वाभाविक चिढ़ थी।
4. खिझाने के लिए जो लड़का उसका गुदड़ लेकर भाग भागा था, वह डर से ठिठका रहा।
5. नटखट लड़के के सर चपत पड़ने लगी।
6. सोने का खिलौना तो उचक्के भी छीनते हैं।

#### **Solution 2:**

1. यह वाक्य साई ने मोहन के पिताजी से कहा।
2. यह वाक्य मोहन ने साई से कहा।
3. यह वाक्य मोहन के पिताजी ने साई से कहा।
4. यह वाक्य मोहन के पिताजी ने साई से कहा।

#### **Solution 3:**

1. मोहन साई को रोटी-साग अपनी माँ से अभिमान करके और पिता से नज़र बचाकर लाकर देता था।
2. मोहन की उम्र आठ वर्ष की थी।
3. दूसरे लड़के ने साई का गुदड़ छीन लिया था इसलिए अपना गुदड़ प्राप्त करने के लिए साई दूसरे लड़के के पीछे दौड़ा।

4. बच्चों को रामस्वरूप समझने वाला साई बच्चों के मनोविनोद के लिए गुदड़ रखता था।
5. मोहन के पिता पढ़े-लिखे अग्रसर विचारों के व्यक्ति थे।

## भाषा अध्ययन

### Solution 1:

1. दुनिया, पति, तीन, दूसरा, पीड़ित
2. कठिनाई, चिंता, हिन्दी, पच्चीस
3. कलुषित, गणेश, शिथिल, विशेष, सेनापति
4. नीचे, रूपए, शनिवार, गुरुवार, महीना
5. भवदीय, पत्नी, पतंग, प्रतिदिन, हानि
6. प्रदूषण, अनुसार, नीला, हाथ, वायु
7. आकृति, मंदिर, बारिश, श्रीमती
8. कीर्ति, मूर्ति, पुरुष, रविवार, कीर्तन
9. दीजिए, लीजिए, कीजिए, पीजिए, हुजूर
10. बुद्धि, सीता, सीमा, परिणाम, किताब
11. हिमालय, शिक्षिका, मिलन, शांति
12. पूर्व, योजनापूर्वक, चिड़िया, ब्रह्म, ऋषि
13. साहित्य, रवीन्द्र, सुमति, आशीर्वाद
14. सुपुत्र, लिखित, धीरज, हेतु, सिर

### Solution 2:

1.	<ul style="list-style-type: none"> <li>मानव के लिए ईश्वर की सबसे बड़ी देन क्या है?</li> <li>ईश्वर ने हमें दो आँखें क्यों दीं हैं?</li> <li>मनुष्य को सामर्थ्यशाली किसने बनाया है?</li> <li>विधाता ने हमें एक ही मुख देने के पीछे का कारण बताइए?</li> <li>उपर्युक्त गद्य खंड को उचित शीर्षक दें।</li> </ul>
2.	<ul style="list-style-type: none"> <li>सभी गुणों का मूल क्या है?</li> <li>परोपकारी मनुष्य किसके समान होता है?</li> <li>परोपकार के कारण मानव हृदय में कौन-से गुण उत्पन्न होते हैं?</li> <li>परोपकारी मनुष्य को विश्वबंधु क्यों कहा गया है?</li> <li>उपर्युक्त गद्य खंड को उचित शीर्षक दें।</li> </ul>